Agromet Advisory

Andaman and Nicobar Islands

Issued on: 29th May, 2026 Validity Period: 30th May to 3rd June, 2026

Value Added Medium Range Weather Forecast: (30th May to 3rd June, 2026)

English:

The Agro-Meteorological Field Unit (AMFU), ICAR-Central Island Agricultural Research Institute (ICAR-CIARI), Sri Vijaya Puram, in collaboration with India Meteorological Department (IMD), has issued a weather-based agro advisory for Andaman & Nicobar Islands valid from **30 May to 03 June 2026**. According to the forecast, South Andaman and Nicobar are likely to receive moderate to heavy rainfall along with thunderstorms, lightning, and gusty winds during the period. Farmers have been advised to avoid field operations during thunderstorms and ensure proper drainage in crop fields to prevent waterlogging.

Considering the onset of kharif season, farmers are advised to collect quality paddy seeds from ICAR-CIARI or the Department of Agriculture and prepare raised nursery beds with proper drainage for rice cultivation. Banana growers should provide support to fruiting plants to avoid wind damage, while vegetable and spice growers are advised to maintain drainage and avoid spraying during rainy periods. Livestock owners are advised to keep animals in safe shelters away from trees or weak structures and maintain clean drinking water and dry feed arrangements.

हिंदी:

कृषि मौसम फील्ड यूनिट (AMFU), आईसीएआर-केंद्रीय द्वीप कृषि अनुसंधान संस्थान (ICAR-CIARI), श्री विजयपुरम द्वारा भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के सहयोग से अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के लिए **30 मई से 03 जून 2026** तक की मौसम आधारित कृषि परामर्श जारी की गई है। पूर्वानुमान के अनुसार इस अवधि में दक्षिण अंडमान एवं निकोबार में मध्यम से भारी वर्षा, गरज-चमक, बिजली तथा तेज हवाओं की संभावना है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे गरज-चमक के दौरान खेतों में कार्य करने से बचें तथा खेतों में जलभराव रोकने के लिए उचित जल निकासी की व्यवस्था करें।

खरीफ मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को धान की नर्सरी तैयार करने हेतु ICAR-CIARI अथवा कृषि विभाग से अच्छी गुणवत्ता वाले बीज प्राप्त करने तथा ऊँची क्यारियों में उचित जल निकासी के साथ नर्सरी तैयार करने की सलाह दी गई है। केला उत्पादकों को फलधारी पौधों को सहारा देने, सब्जी एवं मसाला फसल उत्पादकों को जल निकासी बनाए रखने तथा वर्षा के दौरान छिड़काव से बचने की सलाह दी गई है। पशुपालकों को पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर रखने, स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने तथा चारे को सूखा रखने की सलाह दी गई है।